Mahendra's

UP POLICE कांस्टेबल/ UP लेखपाल

HINDI

पूर्ववर्ती परीक्षाओं के वस्तुनिष्ठ प्रश्न

व्याख्या सहित

LIVE 03:00 PM

Mahendra's

1.हिंदी भाषा का सही विकास क्रम क्या होगा ?

A. वैदिक ➔ संस्कृत ➔ लौकिक ➔ पाली ➔प्राकृत ➔ अपभ्रंश➔सौर शैनी अपभ्रंश➔ हिन्दी

B.संस्कृत ➔ वैदिक ➔ लौकिक ➔ पाली ➔प्राकृत ➔ अपभ्रंश➔सौर शैनी अपभ्रंश➔ हिन्दी

C.संस्कृत ➔ वैदिक ➔ पाली ➔ लौकिक ➔प्राकृत ➔ अपभ्रंश➔सौर शैनी अपभ्रंश➔ हिन्दी

D.संस्कृत ➔ वैदिक ➔ लौकिक ➔ पाली ➔प्राकृत ➔ अपभ्रंश➔सौर हिन्दी ➔ शैनी अपभ्रंश

Mahendra's

भारतीय आर्य भाषाएँ -

काल-क्रम की दृष्टि से निम्न भागों में वर्गीकृत किया गया है -

1.प्राचीन भारतीय आर्य भाषा(1500ई.पू. से 500 ई.पू. तक)-

1. वैदिक संस्कृत (1500ई.पू. से 1000 ई.पू. तक)
2. लौकिक संस्कृत (1000 ई.पू से 500 ई.पू. तक)

2.मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा(500 ई.पू. से 1000 ई.तक)-

1. पालि (500 ई.पू. 1 ई)
2. प्राकृत (1 ई. से 500 ई. तक)
3. अपभ्रंश (500 ई. से 1000 ई. तक)

3.आधुनिक भारतीय आर्यभाषा (1000 ई.से अब तक)-

1.आदिकाल (1000 से 1400 ई. तक),
2.मध्यकाल (1400 से 1800 ई. तक)
3.आधुनिक काल (1800 से अब तक)

2.हिंदी भाषा की लिपि है?
A. प्राकृत B . देवनागरी C. पाली D. इनमें से कोई नहीं

3.सर्वप्रथम भाषा का प्रयोग किस रूप में हुआ?
A . लिखित B . मौखिक C . सांकेतिक D . कोई नहीं

4.भाषा के लिखने का ढंग है?
A .व्याकरण B .लिपि C .वाक्य D .शब्द

Mahendra's

विचारों के विनिमय के लिए हम भाषा का प्रयोग तीन रूप में करते है
–1- मौखिक भाषा 2- लिखित भाषा 3- सांकेतिक भाषा

1- मौखिक भाषा-

भाषा के जिस रूप का प्रयोग हम बोलकर करते है, उस भाषा को मौखिक भाषा कहते हैं।
व्यक्ति मौखिक भाषा का प्रयोग अपने जीवनकाल में सबसे पहले करना सीखता हैं।

2- लिखित भाषा-

भाषा का वह रूप जिसमें हम अपने विचार विनिमय के लिए लिखित चिन्हों ,संकेतों एवं लिपियों का प्रयोग करते हैं वह भाषा का लिखित स्वरूप कहलाता है।
लिखित भाषा, भाषा को एक स्थायी स्वरूप प्रदान करती है इसलिए इसे भाषा का स्थाई रूप कहते हैं।

3-सांकेतिक भाषा -

सांकेतिक भाषा में हम अपने हाव भाव के माध्यम से अपने विचारों को अभिव्यक्ति करते हैं।

Mahendra's

5.भारतीय संविधान कि किस अनुसूची में भाषा संबंधी प्रावधान हैं ?

Aअनुसूची -5 B. अनुसूची -6 C. अनुसूची -7 D. अनुसूची -8

6. भारतीय संविधान के किस भाग में भाषा संबंधी प्रावधान है ?

A. भाग -17 B.भाग -18 C.भाग -19 D.भाग -20

7.वर्तमान में आठवीं अनुसूची में कितनी भाषाओं को सम्मिलित किया गया है ?

A.22 B. 23 C. 24 D. 25

8.किस वर्ष बोडो ,डोंगरी, मैथली, संथाली भाषाओं को 8 वीं अनुसूची में जोड़ा गया ?

A. 2001 B. 2002 C. 2003 D. 2004

संवैधानिक द्रष्टि से हिंदी-

भारतीय संविधान की 8 वीं अनुसूची में 22 भाषाओं का उल्लेख हैं एवं भारतीय संविधान के भाग -17 में भाषा सम्बन्धी प्रावधान अनुच्छेद 343 से 351 में किये गये हैं।

हिन्दी को भारत की राजभाषा के रूप में 14 सितम्बर सन् 1949 को स्वीकार किया गया।

इसकी स्मृति को ताजा रखने के लिये 14 सितम्बर का दिन प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

धारा 343(1) के अनुसार भारतीय संघ की राजभाषा हिन्दी एवं लिपि देवनागरी होगी।

संविधान की आठवीं अनुसूची में देश की आधिकारिक भाषाओं की सूची दी गई है. अनुच्छेद 344(1) और 351 के अनुसार इस अनुसूची में 22 भाषाएँ अंकित हैं-

दरअसल, इनमें से 14 भाषाओं को संविधान में सम्मिलित किया गया था परतुं ,

- 1967 ई. में सिन्धी भाषा को आठवीं अनुसूची में जोड़ा गया। (21 वें सविधान संशोधन)
- 1992 में कोंकणी ,मणिपुरी और नेपाली को जोड़ लिया गया। (71 वें संशोधन अधिनियम)
- 2003 में बोड़ो , डोंगरी ,मैथिली और संथाली को जोड़ लिया गया। (92 वें सविधान संशोधन)

9. क्ष,त्र,ज्ञ,श्र वर्ण है ?

A. संयुक्त व्यंजन
B. स्पर्श व्यंजन
C. उष्म व्यंजन
D. अंतःस्थ व्यंजन

10.निम्नलिखित में अयोगवाह किसे कहा गया है?

A.विसर्ग
B. संयुक्त व्यंजन
C.महाप्राण
D. घोष

11.लघुत्तम वाक्-ध्वनि को कहते हैं ?

A. स्वर
B. वर्ण
C. व्यंजन
D. शब्द

12 . 'क्' कौन-सा व्यंजन है ?

A. तालव्य
B. मूर्धन्य
C. कंठ्य
D.दंत्य

Mahendra's

(1)स्वर - हस्व स्वर/लघु स्वर/एकमात्रिक स्वर (4) - अ इ उ ऋ दीर्घ स्वर/गुरु स्वर/द्विमात्रिक स्वर (7) आ ई ऊ ए ऐ ओ औ अयोगवाह - (2) अं, अः -- अं (अनुस्वार) , अः (विसर्ग)

(2) व्यंजन

क वर्ग - क ख ग घ ङ (कंठ्य) (अ आ अः ह)

च वर्ग - च छ ज झ ञ (तालव्य) (इ ई य श)

ट वर्ग - ट ठ ड ढ ण (मूर्धन्य) (ऋ र ष)

त वर्ग - त थ द ध न (दन्त्य) (ल स)

प वर्ग - प फ ब भ म (ओष्ठ्य) (5 X 5= 25) (उ ऊ)

नासिक्य - ङ ञ ण न म)

कंठ और तालु – ए ऐ

कंठ और ओष्ठ - ओ औ

दन्त और ओष्ठ - व

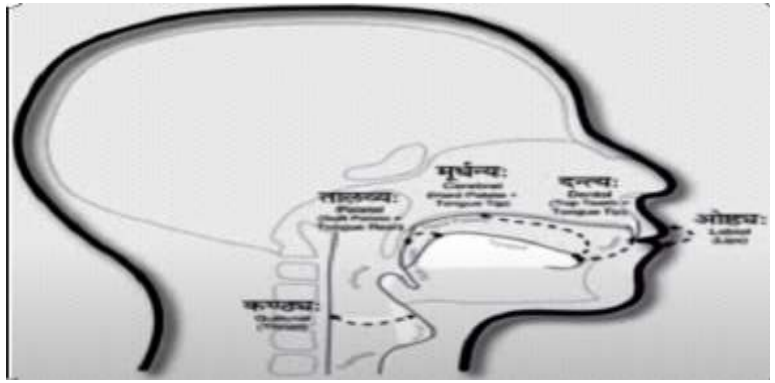

अंतःस्थ व्यंजन-य,र,ल,व(4वर्ण)

ऊष्म व्यंजन-श,ष,स,ह(4वर्ण)

संयुक्त व्यंजन-क्ष,त्र,ज्ञ,श्र(4वर्ण)क्ष=क्+ष/त्र=त्+ र/ज्ञ=ज्+ञ/श्र=श्+र

उत्क्षिपत व्यंजन -ड़,ढ़ (2वर्ण,वर्णमाला में व्यंजन का स्थान प्राप्त नहीं हैं)

13.निम्न में से अल्पप्राण वर्ण कौन है ?

A. क, ग B. अ ,आ

C. थ, छ D. प , फ

14. वर्णमाला में कुल व्यंजनों की संख्या कितनी हैं?

A. 11 B. 33

C. 45 D. 50

15. निम्न में से सघोष वर्ण कौन से हैं ?

A. थ B. ग

C. च D. इनमें से कोई नहीं

16.निम्न में से महाप्राण वर्ण कौन से है?

A.ख , घ B. क , च

C. य , र D.त , द

Mahendra's

उच्चारण प्रयत्न के आधार पर:

(क) स्वरतंत्री में श्वास का कंपन घोषत्व के आधार पर इस आधार पर वर्णों के दो भेद हैं-

1. अघोष, 2. सघोष।

1.अघोष- जिन ध्वनियों के उच्चारण में स्वरतंत्रियों में कंपन नहीं होता, जैसे-
सभी वर्गों के पहले तथा दूसरे व्यंजन (क, ख, च, छ, ट, ठ, त, थ, प, फ) तथा श ष स और फ अघोष व्यंजन कहलाते है।

2. सघोष-जिन ध्वनियों के उचचाण में स्वर तंत्रियों में कंपन होता है, जैसे-सभी वर्गों के तीसरे, चौथे व पाँचवें वर्ण, ड् ढ् ज य र ल व ह सघोष व्यंजन होते हैं।

क वर्ग -	(अघोष)	क ख	(सघोष)	ग घ ङ
च वर्ग -		च छ		ज झ ञ
ट वर्ग –		ट ठ		ड ढ ण
त वर्ग -		त थ		द ध न
प वर्ग–		प फ		ब भ म

(ख). श्वास या प्राण की मात्रा-इस आधार पर दो भेद हैं:

1.अल्पप्राण- जिन ध्वनियों के उच्चारण में श्वास की मात्रा कम निकलती है, जैसे सभी वर्गों के पहले, तीसरे व पाँचवें वर्ण तथा ड़ य र ल व अल्पप्राण व्यंजन कहलाते हैं।

2.महाप्राण-जिन ध्वनियों के उच्चारण में श्वास की मात्रा अधिक निकलती है, जैसे-सभी वर्गों के दूसरे व चौथे वर्ण तथा श ष स ह महाप्राण व्यंजन कहलाते हैं।

क वर्ग - क ख ग घ ङ

च वर्ग - च छ ज झ ञ

ट वर्ग – ट ठ ड ढ ण

त वर्ग - त थ द ध न

प वर्ग – प फ ब भ म

17.दयानन्द में प्रयुक्त सन्धि का नाम है ?
(a) गुण सन्धि (b) दीर्घ सन्धि
(c) व्यंजन सन्धि (d) यण् सन्धि

18.कपीश में प्रयुक्त सन्धि का नाम है ?
(a) वृद्धि सन्धि (b) दीर्घ सन्धि
(c) यण् सन्धि (d) विसर्ग सन्धि

19.निम्न में से सही विकल्प का चयन कीजिये ?
(a)अ + अ = आ
(b)इ + इ = ई
(c)ऋ + ऋ = ऋ
(d)सभी सही हैं

Mahendra's

संधि-

निकटवर्ती वर्णों के परस्पर मेल से उत्पन्न विकार (परिवर्तन) को संधि कहते हैं। वर्णों में संधि करने पर स्वर, व्यंजन अथवा विसर्ग में परिवर्तन आता है। अतःसंधि तीन प्रकार की होती हैं ,

क. स्वर संधि

ख. व्यंजन संधि

ग. विसर्ग संधि

1.स्वर संधि

स्वरों का स्वरों से मेल होने पर जो विकार उत्पन्न होता है वह स्वर संधि कहलाता है। स्वर संधि के पाँच भेद होते हैं ,

1.दीर्घ संधि 2. गुण संधि

3.यण संधि 4.वृद्धि संधि 5.अयादि संधि

दीर्घ संधि-

जब सजातीय स्वर अ/आ/,इ/ई, उ/ऊ आपस में मिलते हैं तो स्वर दीर्घ हो जाता है। अतः यह दीर्घ स्वर संधि कहलाती है।

विस्तार-

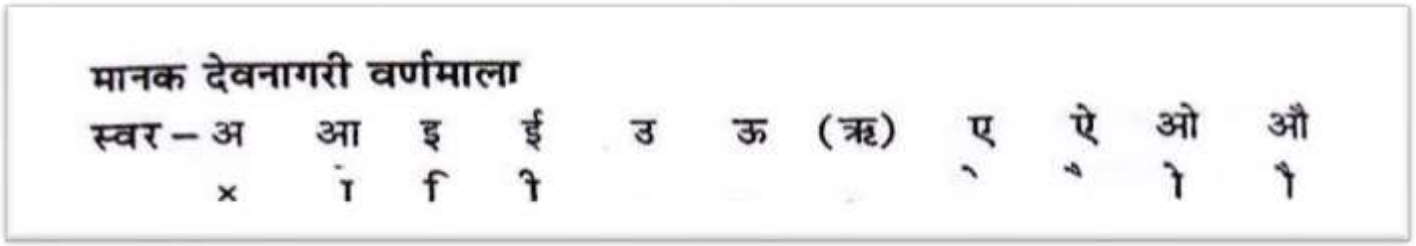

अ + अ =आ
आ + आ =आ
अ + आ =आ
आ+ अ = आ

इ + इ = ई
ई + ई = ई
इ + ई = ई
ई + इ = ई

उ +उ = ऊ
ऊ +ऊ = ऊ
उ +ऊ = ऊ
ऊ +उ = ऊ

ऋ + ऋ = ऋ

20. चन्द्रोदय में प्रयुक्त सन्धि का नाम है ?
(a) यण् सन्धि
(b) गुण सन्धि
(c) वृद्धि सन्धि
(d) दीर्घ सन्धि

21. रमेश में प्रयुक्त सन्धि का नाम है ?
(a) व्यंजन सन्धि
(b) दीर्घ सन्धि
(c) गुण सन्धि
(d) वृद्धि सन्धि

22. सुरेंद्र में प्रयुक्त सन्धि का नाम है ?
(a) गुण सन्धि
(b) वृद्धि सन्धि
(c) यण् सन्धि
(d) दीर्घ सन्धि

Mahendra's

गुण संधि-

जब अ/आ के साथ इ, ई हो तो 'ए' हो जाता है,
जब अ/आ के साथ उ, ऊ हो तो 'ओ' हो जाता है, तथा अ / आ के साथ ऋ हो तो 'अर्' हो जाता है।

अ + इ = ए अ + उ = ओ अ + ऋ = अर्
आ + इ = ए आ + उ = ओ आ + ऋ = अर्
अ + ई = ए अ + ऊ = ओ
आ + ई = ए आ + ऊ = ओ

23. मत + ऐक्य = मतैक्य में प्रयुक्त सन्धि का नाम है ?
(a) यण् सन्धि
(b) गुण सन्धि
(c) वृद्धि सन्धि
(d) दीर्घ सन्धि

24. लोक +एषणा= लोकैषण में प्रयुक्त सन्धि का नाम है ?
(a) यण् सन्धि
(b) गुण सन्धि
(c) वृद्धि सन्धि
(d) दीर्घ सन्धि

वृद्धि संधि-

जब अ, आ के साथ ए, ऐ मिलाया जाए तो ऐ तथा अ, आ के साथ ओ औ मिलाया जाए तो औ हो जाता है।

अ + ए = ऐ
आ + ए = ऐ

अ+ओ = औ
आ+औ = औ

25.जब अ, आ के साथ ए, ऐ मिलाया जाए तो ऐ तथा अ, आ के साथ ओ औ मिलाया जाए तो औ हो जाता है ?

(a) यण् सन्धि
(b) गुण सन्धि
(c) वृद्धि सन्धि
(d) दीर्घ सन्धि

Mahendra's

उत्तरमाला-

1-B,2-B,3-B, 4-B,5-D,6-A,7-A,8-C,9-A,10-A,
11-B,12-C,13-A,14-B,15-B,16-A,17-B,18-B,19D,
20-B,
21-C,22-A,23-C,24-C,25-C.

Mahendra's

धन्यवाद....